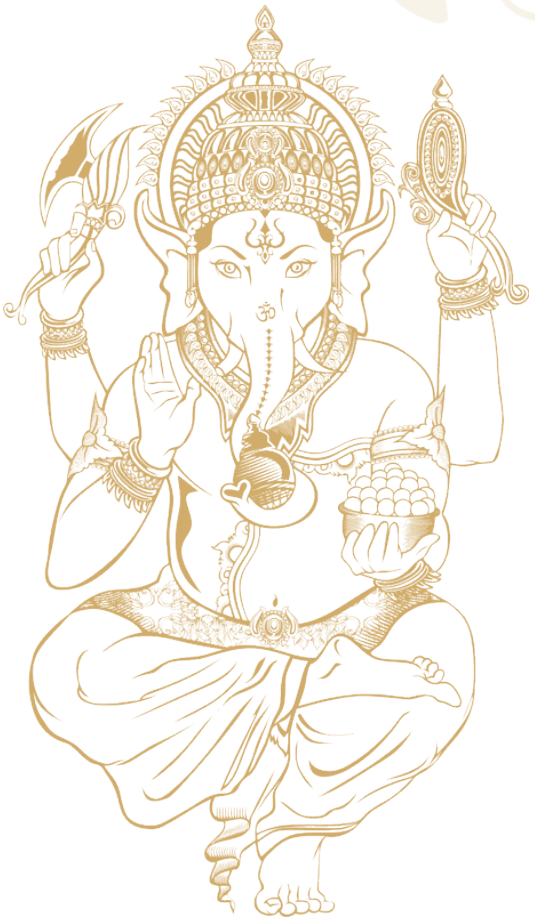

Ravindra Yukta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121247003

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
28/09/1995 :	जन्म तिथि	:	30/04/2002
गुरुवार :	दिवस	:	मंगळवार
कला 18:00:00 :	जन्म समय	:	12:05:00 कला
घटी 29:05:48 :	जन्म समय(घटी)	:	15:05:29 घटी
India :	देश	:	India
Malegaon Nasik :	स्थान	:	Jalgaon
20:32:00 उत्तर :	अक्षांश	:	21:01:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	:	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:27:24 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
06:21:40 :	सूर्योदय	:	05:58:08
18:22:40 :	सूर्यास्त	:	18:51:33
23:47:59 :	लाहिरी अयनांश	:	23:53:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 7मा 21दि	04:49:59	मीन	लग्न	कर्क	13:29:54	बुध 2वर्ष 7मा 7दि
बुध	11:06:50	कन्या	सूर्य	मेष	15:51:38	शुक्र
20/05/2018	00:17:54	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	27:57:25	07/12/2011
20/05/2035	20:30:55	तुला	मंगळ	वृष	17:19:49	07/12/2031
बुध 16/10/2020	24:10:24	कन्या व	बुध	वृष	06:04:47	शुक्र 08/04/2015
केतु 13/10/2021	16:16:56	वृश्चि	गुरु	मिथु	16:55:41	रवि 07/04/2016
शुक्र 13/08/2024	21:30:44	कन्या	शुक्र	वृष	11:37:17	चन्द्र 07/12/2017
रवि 19/06/2025	26:29:09	कुंभ व	शनि	वृष	19:32:08	मंगळ 06/02/2019
चन्द्र 19/11/2026	02:46:36	तुला	राहु	वृष	24:28:23	राहु 06/02/2022
मंगळ 16/11/2027	02:46:36	मेष	केतु	वृश्चि	24:28:23	गुरु 07/10/2024
राहु 04/06/2030	02:45:11	मक व	हर्ष	कुंभ	04:29:29	शनि 07/12/2027
गुरु 09/09/2032	28:59:12	धनु व	नेप	मक	17:02:55	बुध 07/10/2030
शनि 20/05/2035	04:43:29	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:19:00	केतु 07/12/2031

लग्न–चलित

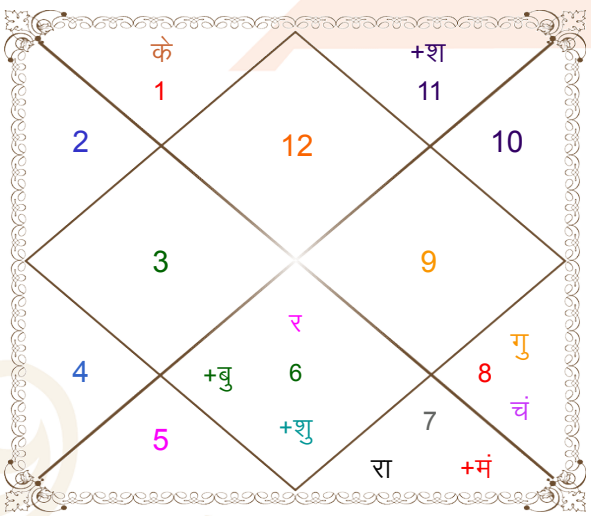

लग्न–चलित

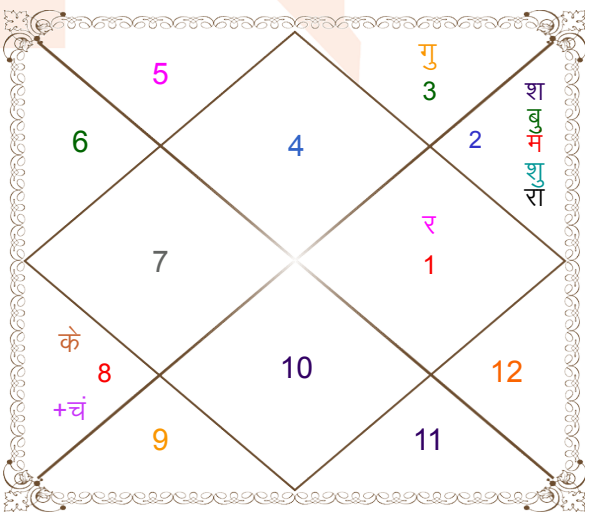

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	––	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	––	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	––	यौन विचार
मैत्री	मंगळ	मंगळ	5	5.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**31.50**		

Ravindra का वर्ग सर्प है तथा ल्नाजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ravindra और ल्नाजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ravindra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्ट् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल–गुरु या मंगल–राहु या मंगल–चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ravindra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ल्नाजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ल्नाजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ravindra तथा ल्नाजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।